दिसंबर 2022

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

उपचुनाव 2022

भाजपा पस्त

हम साथ-साथ हैं 22

व्यापारी विरोधी भाजपा सरकार 36

www.samajwadiparty.in

भारत की सुरक्षा को सबसे बड़ा खतरा चीन से है और सरकार चीन की मंशा को लेकर किसी तरह की गफलत में न रहे। चीन कभी भी भारत का दोस्त नहीं बन सकता। पाकिस्तान की तुलना में चीन ज्यादा बड़ा खतरा है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक , समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

दिसंबर 2022
वर्ष 24 | संख्या 02

प्रिय पाठकों,
आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन बदले हुए कलेवर में अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आपके उत्साहवर्धन और प्रेम के कारण ही हमारा यह सफर यहां तक पहुंचा है। हम भरोसा दिलाते हैं कि हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने देंगे। कृपया हमेशा की तरह आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहें।
धन्यवाद!

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

रामपुर : प्रशासन जीता, लोकतंत्र हारा 28

08 कवर स्टोरी

उपचुनाव 2022: भाजपा पस्त

हम साथ-साथ हैं 22

मैनपुरी चुनाव के दौरान पूरा समाजवादी परिवार एकता के सूत्र में ऐसा बंधा कि नतीजे घोषित होते ही उसका दूरगामी सकारात्मक परिणाम भी सामने आ गया। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री शिवपाल सिंह यादव ने अपनी पार्टी का समाजवादी पार्टी में विलय करने का ऐलान कर दिया।

चक्रव्यूह में लोकतंत्र 06
चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलेंगे समाजवादी 32

नेताजी की याद में दंगल का आयोजन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव-नेताजी की याद में लोहिया वाहिनी के निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव अभिषेक कुमार मिश्रा (मुन्ना भैया) ने श्रावस्ती जिले के गिलौला ब्लॉक पर राष्ट्रीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया। दंगल में दिल्ली के पहलवान सोमवीर विजेता रहे और उन्हें पुरस्कार के रूप में 1 लाख 51 हजार की धनराशि व चांदी की बुर्ज दी गई।

17 व 18 दिसंबर 2022 को हुए इस राष्ट्री
कुश्ती दंगल में इलाके के करीब 10 हजार
ज्यादा लोगों ने रोमांचकारी मुकाबले क
आनंद लिया। कुश्ती दंगल शुरू होने से पह
नेताजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कि
गए। कुश्ती दंगल में 19 प्रदेशों के 7
पहलवानों एवं नेपाल से आए 3 पहलवानों
हिस्सा लिया। दंगल में दिल्ली के पहलवा
सोमवीर (मास्टर चंदगी राम का अखाड़ा)
हिमाचल केसरी अशोक पहलवान को ह

कर ख़िताब अपने नाम कर लिया।

विजेता सोमवीर को पुरस्कार स्वरूप 1,51000 /- की राशि व चांदी की बुर्ज दी गई। दंगल के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण समारोह में संरक्षक अभिषेक कुमार मिश्रा (मुन्ना भैया) ने कुश्ती दंगल में सहभागिता करने वालों के साथ ही कार्यक्रम के सभी दर्शकों के प्रति आभार जताया।

चक्रव्यूह में लोकतंत्र

उदय प्रताप सिंह

भारत का लोकतंत्र इन दिनों चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। भारत के लोकतंत्र और संविधान दोनों की अवमानना तरह तरह से निरन्तर की जा रही है। लोकतंत्र का सारा ढांचा सहमत परामर्श और आपस की बहस के ऊपर बना हुआ होता है लेकिन यह सरकार संसद में विपक्ष द्वारा उठाए हुए मुद्दों पर बहस करने से बराबर कतराती रही है। अगर विपक्ष यह जानना चाहता है चीन की स्थिति क्या है तो यह कहकर टाल देते हैं कि रक्षा मंत्री ने इस पर बयान दे दिया है। विपक्ष की भी अपनी कुछ जानकारी है जो रक्षा मंत्री के बयान से भिन्न है। इस पर बहस करने की बहुत आवश्यकता है।

यह मसला देश का है। देश सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का देश होता है और दोनों को उसमें हो रही घटनाओं की चिंता है। ऐसे ही गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई , भ्रष्टाचार के मुद्दों पर बहस ज़रूरी है। वैसे भी यह सरकार विपक्ष को मजबूत नहीं देखना चाहती। विपक्ष के लोगों पर संवैधानिक संस्थाओं का डर दिखाकर उनको कमजोर किया जा रहा है। उन पर आरोप लगाकर, झूठे आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजा जा रहा है। समाजवादी पार्टी के कई नेताओं पर हास्यास्पद इल्जाम है। यह लोकतंत्र के लिए अच्छी स्थिति नहीं है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष कमजोर होगा तो लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा प्रतीत होता है। खासतौर से उस समय जब सरकार ने मीडिया को अपना जेबी खिलौना बना लिया है और मीडिया जनता की समस्याओं का सवाल सरकार से करने के बजाए विपक्ष पर ज्यादा हमलावर है। यह स्थिति भी लोकतंत्र के विपरीत है।

संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पहले ही लगभग समाप्त कर दी गई है। चुनाव आयोग ,सीबीआई हो इलेक्शन कमीशन हो आरबीआई हो इन सब को उतनी स्वायत्तता प्राप्त नहीं है जितनी संविधान ने इन्हें ने दी है। उसमें सरकार अपने निहित स्वार्थ में बराबर कटौती कर रही है। इसके तमाम

प्रमाण हैं, अदालत के फैसले हैं , स्वतंत्र पत्रकारों के मत हैं लेकिन सरकार बिल्कुल निडर होकर इन संस्थाओं की स्वायत्तता समाप्त कर रही है। उनका इस्तेमाल विपक्ष को डराने धमकाने और अपनी बात मनवाने के लिए कर रही है।

यह चिंता का विषय है कि जितनी भी सार्वजनिक संपत्ति थी वह निजी हाथों में औने पौने दामों में दी जा रही है। इससे एक तो विषमता बढ़ेगी और दूसरे बेकारी बेरोजगारी बढ़ेगी। जिस तरह से सरकार ने नोटबंदी की थी उस पर उंगलियां उठना शुरू हो गई हैं। आरबीआई नोटबंदी से कतई सहमत नहीं थी। नोटबंदी के बारे में प्रधानमंत्री जी ने वित्त मंत्री से भी परामर्श नहीं किया था, इतने बड़े फैसले पर तो एक समिति भी बननी चाहिए थी लेकिन यह फैसला मनमाने ढंग से लिया गया। और जो कहा गया था कि इससे यह जो फायदे होंगे उनमें से एक भी नहीं हुआ। न काला धन लौटा न आतंकवाद कम हुआ न भ्रष्टाचार कम हुआ बल्कि छोटे व्यापारी बर्बाद हो गए और बेरोजगारी बढ़ गई। सरकार इस पर भी बात करने को तैयार नहीं है।

देश में धार्मिक वैमनस्य बड़े कौशल पूर्ण ढंग से फैलाया जा रहा है। हमारे संविधान में सब धर्मों को बराबर की स्वतंत्रता है लेकिन यह सरकार धार्मिक भेदभाव की भावना से छेड़छाड़ के लिए तमाम काम कर रही है। रोमियो स्क्वाड, नागरिकता क़ानून, शहरों की सड़कों के नाम बदलकर, मंत्रियों, साधुओं से अल्पसंख्यक को धमकियां दिलवा कर, झूठे देशद्रोह के आरोप लगाकर। जिनका विरोध अदालतों ने अपनी तीखी टिप्पणियों में किया।

सबको पता है एक धर्म विशेष पर सरकार इतना प्रचार करती है कि वह संविधान का सरासर उल्लंघन लगता है। यह देश गंगा जमुनी संस्कृति से बना है और उसी से जीवित रहेगा। सांप्रदायिकता आपको सत्ता में बैठा सकती है पर समस्याओं का हल नहीं कर सकती। आज असली समस्या है गरीबी, बेकारी , बीमारी , अशिक्षा, भ्रष्टाचार, इंफ्रास्ट्रक्चर उसको कैसे सुधारा जाए इन पर बहस होनी चाहिए।

यह चिंता का विषय है कि जितनी भी सार्वजनिक संपत्ति थी वह निजी हाथों में औने पौने दामों में दी जा रही है। इससे एक तो विषमता बढ़ेगी और दूसरे बेकारी बेरोजगारी बढ़ेगी

चाहे संसद हो, चाहे राज्यों के सदन हो वह इन पर बहस नहीं करते। बहुत छोटे-छोटे सत्र बुलाए जाते हैं और केवल वित्तीय बिल पास किए जाते हैं और सदन बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी जाती। सवाल उठाने की अनुमति नहीं दी जाती और जब सदन नहीं चल रहे हो तो अगर सड़क पर प्रदर्शन किया जाता है तो उसको यह सरकार इतनी निर्दयता से कुचलती है जैसा अंग्रेजों ने भी नहीं किया। अभी इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने जो प्रदर्शन किया उनको इसी तरह से कुचले जाने की तस्वीर सामने आई है।

छात्र संघ मित्रता लोकतंत्र के लिए बड़ी आवश्यक है लेकिन इस सरकार ने विश्वविद्यालयों में भी अपने मनमानी करना शुरू कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय को लोकतंत्र और संविधान और नागरिक के मूल अधिकारों का संरक्षक माना जाता है। पिछले दिनों न्यायालयों ने सैकड़ों नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए बहुत उचित फैसले दिए हैं। सरकार ने जिन लोगों पर झूठे देशद्रोह के मुकदमे लगाए थे, उनमें 91% को न्यायालय से राहत मिली और उन को निर्दोष साबित किया गया। इधर कुछ दिनों से इस एकमात्र निष्पक्ष संरक्षक पर भी सरकार अपना सिक्का जमाना चाहती है। आजकल न्यायालय में और सरकार में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर प्रक्रिया पर रस्साकसी चल रही है। अगर न्यायालय दो बार सरकार के प्रस्तावित नामों को खारिज कर दे तो सरकार को मान लेना चाहिए ऐसी परंपरा रही है। यह सरकार इसको भी मानने को तैयार नहीं।

अगर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय की भी वही दशा हुई जो अन्य संवैधानिक संस्थाओं की है तो लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा। राज्य के तीनों अंगों न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका में तालमेल तो जरूर रहना चाहिए ताकि एक अपने कार्य क्षेत्र से आगे जाकर दूसरे के कार्यक्षेत्र में दखलअंदाजी न करे। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय ही एकमात्र संस्था है जो इस काम में प्रभावी हो सकती है लेकिन सर्वोच्च न्यायालय पर भी कार्यपालिका अपना दबाव डाल रही है। यह अनुचित है। मेरी समझ से बहुत अनुचित है।हर समझदार का कर्तव्य है कि लोकतंत्र बचाने हेतु अपनी आवाज़ बुलंद करे।

फोटो स्रोत : गूगल

उपचुनाव 2022

भाजपा पस्त

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी ने पहली बार महिला सांसद श्रीमती डिंपल यादव को चुनकर यूपी की सियासत में एक नई इबारत लिख डाली। नेताजी मुलायम सिंह यादव की सियासी विरासत उनकी बहू श्रीमती डिंपल यादव को सौंपने के साथ ही मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों से कई तरह के सियासी संदेश भी निकले। डिंपल जी की भाजपा प्रत्याशी पर 2,88,461 लाख वोटों के भारी अंतर से जीत के बाद साबित हो गया कि मैनपुरी के लोगों के दिल में आज भी समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव-नेताजी बसे हुए हैं।

इतना ही नहीं, समाज के हर तबके ने जिस तरह समाजवादी पार्टी के पक्ष में खुलकर मतदान किया, उसके कई मायने मतलब हैं। इसमें संदेश छुपा है कि भाजपा की नीतियां आमजन को परेशान करने, त्रस्त करने वाली हैं। यकीनन, मैनपुरी के सभी बूथों से भाजपा के खिलाफ वोट के जरिये निकला यह संदेश दूर तलक जाने वाला है। मैनपुरी व खतौली की हार के बाद भाजपा की खामोशी बता रही है कि सत्ता उसके हाथ से छूटती दिख रही है।

नतीजों के बाद मैनपुरी ने यूपी ही नहीं, देशभर में यह सियासी संदेश भेजा है कि महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, बिजली-पानी जैसे अहम मसलों पर आमजन भाजपा सरकारों के खिलाफ उठ खड़ा हुआ है। मैनपुरी ने यूपी की सियासत को यह भी बताने में गुरेज नहीं किया कि मैनपुरी नेताजी की थी और आगे भी नेताजी की ही रहेगी। यही वजह रही कि वोटरों के संकल्प को भाजपा द्वारा प्रशासन के बेजा इस्तेमाल की कोशिशें भी डिगा नहीं सकीं। समाजवादी पार्टी की रणनीतिक मोर्चाबंदी भी यहां काफी कारगर साबित हुई।

सपा प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव को एकतरफा वोट और भाजपा प्रत्याशी को तमाम बूथों पर एक से चार वोट का मिलना यह भी बता गया कि आमजन भाजपा सरकार की नीतियों से किस तरह त्रस्त है। मैनपुरी में विजय शंखनाद के साथ ही खतौली विधानसभा में सपा गठबंधन की जीत से यूपी की सियासत में भाजपा के पस्त होने के पर्याप्त संकेत हैं।

महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, बिजली-पानी जैसे अहम मसलों से त्रस्त वोटरों ने मैनपुरी व खतौली में वोट से देकर यूपी की सियासत को संदेश दे डाला कि उन्हें समाजवादी पार्टी ही एकमात्र विकल्प के रूप में दिख रही है। मैनपुरी में समाज के हर तबके का खुलकर सपा के साथ आना भी, यूपी की सियासत को बड़ा संदेश देने वाला है।

मैनपुरी हमेशा से ही नेताजी मुलायम सिंह यादव की रही है। नेताजी का मैनपुरी से

समाजवादी

लगाव-जुड़ाव जगजाहिर है। जीवन पर्यंत मैनपुरी के लिए नई इबारतें गढ़ने वाले नेताजी की विरासत को ही आगे बढ़ाएं रखने के लिए मैनपुरी की जनता ने श्रीमती डिंपल यादव को भारी मतों से जीता कर यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मैनपुरी का विकास और इलाके में भाईचारा जारी रखना चाहती है।

उपचुनाव के लिए नामांकन के साथ ही श्रीमती डिंपल यादव के पक्ष में माहौल बन गया था। जनसमुदाय जिस तरह मुखर होकर सपा के पक्ष में बोल रहा था, पहले दिन से ही लग गया था कि आमजन नेताजी की सियासी वारिस के तौर पर श्रीमती डिंपल यादव के बारे में फैसला कर चुका है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की रणनीति काम आई

जनसमुदाय जिस तरह मुखर होकर सपा के पक्ष में बोल रहा था, पहले दिन से ही लग गया था कि आमजन नेताजी की सियासी वारिस के तौर पर श्रीमती डिंपल यादव के बारे में फैसला कर चुका है

और वह नेताजी की मैनपुरी को यह समझाने में कामयाब रहे कि नेताजी की मैनपुरी को यह परिवार उसी तरह विकास की रफ्तार पकड़ायेगा जैसाकि नेताजी चाहते थे।

मैनपुरी में हारते जानकर भाजपा ने साजिशें करनी शुरू दीं। वोटरों को गुमराह करने के अलावा सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ी गई। भाजपा ने सभी तरह के पैंतरे आज़माए। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री से लगायत तमाम मंत्रियों के लाव लश्कर उतारकर सपा प्रत्याशी की घेराबंदी करने में भाजपा चूकी नहीं।

साम-दाम-दंड-भेद, भाजपा के सभी नुस्खे आमजन ने फेल कर दिए। मतदान के दिन भाजपा की धांधली भी काम नहीं आ सकी

क्योंकि मैनपुरी का मतदाता पूरी तरह समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा हो गया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की मोर्चाबंदी, वोटरों का श्रीमती डिंपल यादव के पक्ष में होना, भाजपा की साजिशों पर पानी फेर गया।

मतगणना के बाद मैनपुरी का परिणाम भी चौंकाने वाला रहा। नतीजों ने साफ कर दिया कि मैनपुरी में जाति की दीवारें भी टूट चुकी हैं। उसने पूरे प्रदेश को संदेश भी दे दिया कि भाजपा की नीतियों से समाज कितना त्रस्त है और उसे पस्त करने के लिए सभी समाज को सपा के पक्ष में लामबंद होना पड़ेगा।

मैनपुरी में जनता की ऐसी ही लामबंदी हुई। मसलन ताखा के नारायनपुर मतदान केन्द्र पर सपा को 248 वोट मिले जबकि भाजपा को मात्र 18। भांवर मतदान केंद्र पर सपा को 290 वोट और भाजपा को मात्र 1 वोट मिलना यूं ही नहीं है। यह भाजपा के खिलाफ लोगों का गुस्सा, महंगाई, बेरोजगारी से परेशान नेलोगों की अभिव्यक्ति ही माना जा रहा है। इसने यह भी बताया कि भाजपा से लोगबाग कितना परेशान हैं।

दरअसल उपचुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही सियासी फिजा में यह बात तैरने लगी थी कि मैनपुरी, नेताजी की विरासत परिवार को सौंपने को आतुर है।

पूरा समाजवादी परिवार एकजुट होकर लड़ा और शुरुआती दिनों में ही तस्वीर साफ हो गई थी कि सपा प्रत्याशी की जीत पक्की है। मैनपुरी के लोगों ने नतीजों के जरिये भाजपा को पस्त कर यूपी की सियासत की नई इबारत गढ़ दी।

मैनपुरी में विजय के शंखनाद के साथ ही खतौली विधानसभा उपचुनाव में सपा-रालोद गठबंधन के मदन भैया की जीत भी भाजपा के खिलाफ जनादेश है।

खतौली में भी भाजपा ने गठबंधन प्रत्याशी को हराने के लिए तमाम कोशिशें-साजिशें की मगर जनता के सामने उसकी एक न चली। ये दोनों ही जीतें इस बात का सबूत हैं कि यूपी की सियासत में अब भाजपा अप्रासंगिक होने लगी है और जनता उसकी नीतियों के खिलाफ उसे नेपथ्य में धकेलना चाहती है।

यह नेताजी की जीत-डिंपल यादव

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी लोकसभा सीट की नवनिर्वाचित सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने 12 दिसंबर को संसद भवन में सांसद पद की शपथ ली। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि श्रीमती यादव दूसरी बार संसद पहुंची हैं। इससे पहले वह कन्नौज की सांसद रह चुकी हैं। मैनपुरी की पहली महिला सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने इतिहास रचा है। वह रिकार्ड 2,88,461 लाख वोटों से जीतकर संसद पहुंची हैं। रिकार्ड वोटों से जीतने पर श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि-मैनपुरी की जनता और उन तमाम लोगों का शुक्रिया जिन्होंने समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि-मैनपुरी की जनता ने इतिहास रचा है। यह जीत नेताजी की जीत है और हमारी यह जीत नेताजी को श्रद्धांजलि के तौर पर उन्हें समर्पित हैं।

नकारात्मक राजनीति की हार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी की जीत के बाद कहा कि मैनपुरी की जनता ने भाजपा की नकारात्मक राजनीति के खिलाफ समाजवादी पार्टी का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि नतीजे से साफ है कि मैनपुरी के हर एक मतदाता ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर सपा का समर्थन किया। उन्होंने मैनपुरी की जनता का आभार प्रकट किया।

जीत के बाद सपा प्रमुख ने फिर यह संकल्प दोहराया कि हम सब नेताजी के बताए-दिखाए रास्ते पर चलेंगे। जिस समाजवादी विचारधारा को लेकर नेताजी

आगे आए, उस समाजवादी आंदोलन को हम जारी रखेंगे। समाजवादी लोग मिलजुलकर सकारात्मक राजनीति करेंगे।

उन्होंने कहा कि हर तबके के लोगों ने जिस तरह समाजवादी पार्टी को अपार समर्थन दिया,यह साबित करता है कि नकारात्मक राजनीति कभी सफल नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी की जीत इस बात का प्रमाण है कि मैनपुरी की जनता मेलजोल की राजनीति पर भरोसा करती है। यही वजह है कि नकारात्मक राजनीति करने वालों को जनता ने पीछे छोड़ दिया है। यह मैनपुरी की जनता की जीत है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी ने भाईचारे की जो राजनीति की है, यह उसकी जीत है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी ने जिस तरीके से विकास किया था, हम समाजवादी लोग मिलकर उसे आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

मैनपुरी की जीत पर समाजवादियों में खुशी की लहर

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती डिंपल यादव की रिकार्ड मतों से जीत से समाजवादी लोग खुशी से झूम उठे। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय समेत पूरे प्रदेश में खुशियां मनाईं गईं। बधाइयों के साथ मिठाइयां बांटकर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। सपा मुख्यालय पर बैंडबाजा भी बजा।

उपचुनाव के नतीजों पर समाजवादी कार्यकर्ताओं की निगाहें टिकीं हुई थीं। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव व खतौली में सपा-रालोद गठबंधन के प्रत्याशी मदन भैया जीत की खबर आते ही समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ता एकत्र हो गए। एक दूसरे के गले लगकर बधाइयां दीं। किशन सिंह धानुक के बैंडबाजे के साथ किन्नर सभा की निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष पायल सिंह की टीम ने नेताजी अमर रहे और अखिलेश यादव जिंदाबाद-डिंपल यादव जिंदाबाद के नारों के साथ पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने श्रीमती डिंपल यादव को जीत की बधाई देते हुए कहा कि इस जीत ने सन् 2024 की दिशा का संकेत दे दिया है। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है उसका आचरण अलोकतांत्रिक और उसकी भाषा अमर्यादित रही है। मतदाताओं ने दिखा दिया है कि जो लोकतंत्र का अपमान करते हैं उन्हें मान्यता नहीं मिलती है।

फोटो फीचर

धन्यवाद मैनपुरी

राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी, पार्टी

मुख्य अतिथि
को ऐतिहासिक

भारत

हम साथ-साथ हैं
प्रसपा का सपा में विलय

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी चुनाव के दौरान पूरा समाजवादी परिवार एकता के सूत्र में ऐसा बंधा कि नतीजे घोषित होते ही उसका दूरगामी सकारात्मक परिणाम भी सामने आ गया।

समाजवादी पार्टी प्रत्याशी श्रीमती डिंपल यादव को मिले अपार जनसमर्थन को देखते हुए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री शिवपाल सिंह यादव ने अपनी पार्टी का

समाजवादी पार्टी में विलय करने का ऐलान कर दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने चुनाव नतीजों वाले दिन श्री शिवपाल सिंह यादव को समाजवादी पार्टी का झंडा सौंपा। इस अवसर पर श्री शिवपाल सिंह यादव ने मीडिया से कहा कि अब वे आजीवन समाजवादी पार्टी में ही रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि मैनपुरी के चुनाव का प्रचार शुरू होते ही इसके संकेत मिलने लगे थे कि परिवार एकजुट हो गया है। श्री अखिलेश यादव एवं श्रीमती डिंपल यादव ने शिवपाल जी के घर पर जाकर उनसे मुलाकात की। उस घटनाक्रम के साथ ही श्री शिवपाल सिंह यादव मैनपुरी में डिंपल जी की जीत सुनिश्चित कराने के लिए कमर कस कर उतर गए और अपने लक्ष्य में कामयाब भी रहे।

मैनपुरी चुनाव से ही यह संदेश निकल चुका था कि हम साथ-साथ हैं। प्रसपा का सपा में विलय होते ही समाजवादी पार्टी व प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रदेश भर के कार्यकर्ता भी खुशी से झूम उठे। दोनों ही दलों के कार्यकर्ताओं के अलावा आमजन ने भी इस विलय को शुभ संकेत बताया। कार्यकर्ताओं व नेताओं ने खुशी में मिठाइयां बांटी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में प्रसपा का सपा में विलय हुआ। श्री अखिलेश यादव ने श्री शिवपाल यादव को समाजवादी पार्टी को झण्डा सौंपा जिसपर श्री शिवपाल सिंह यादव ने प्रतिक्रिया दी कि अब यह उनके वाहन पर होगा।

बाद में उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडल की प्रोफाइल में भी खुद को समाजवादी पार्टी का बताकर दुनिया को संदेश दे दिया कि समाजवादी परिवार एक साथ है। दोनों ही नेताओं ने विलय की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की।

विलय के बाद श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि लोग चाहते थे कि हम साथ आएं, आज हम सही मौके पर एक हो गए हैं। अब 2024 में हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा-प्रसपा के साथ आने से समाजवादी आंदोलन को मजबूती मिलेगी और सौहार्द की सकारात्मक राजनीति दोगुनी हुई है।

मा. अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी
उपचुनाव में
डिम्पल यादव
सिक जीत दिलाने के लिए
मानित जनता व सम्मानित पार्टी
को हृदय से आभार
-2022 समय- प्रातः 10:30 बजे
ज श्री कृष्ण महाविद्यालय
हा, भोगाँव (मैनपुरी)
जवादी पार्टी, मैनपुरी

मैनपुरी की शानदार जीत के मायने

जयशंकर पाण्डेय

मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की विशाल जीत के बड़े मायने हैं। समाजवादियों को इसे समझते हुए अपनी एकता और संघर्ष की बड़ी लकीर खींचने का समय आ गया है। भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार के तमाम अलोकतांत्रिक हथकंडों के बावजूद समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती डिंपल यादव ने 2.88 लाख वोटों से मैनपुरी लोकसभा की सीट जीतकर यह जता दिया है कि मुलायम सिंह यादव के संघर्ष की शानदार विरासत पर न तो उनका परिवार विभाजित है और न ही समाजवादी आंदोलन।

निश्चित तौर पर समाजवादी आंदोलन को बदनाम और कमजोर करने के लिए पूंजीवाद और बहुसंख्यकवाद अपनी पूरी

ताकत लगाए हुए है लेकिन उस आंदोलन के मूल्य अभी भी अपनी चमक खोने को तैयार नहीं हैं।

इसी ताकत के बूते पर समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ मैनपुरी सीट जीती बल्कि अपने सहयोगी दल आरएलडी को खतौली में भाजपा की सीट पर कब्जा करने में सहयोग दिया। समाजवादी पार्टी को रामपुर सीट पर हार जरूर मिली, लेकिन उसकी कहानी तो गोदी मीडिया भी परोक्ष रूप से स्वीकार करने को तैयार है। इसलिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने साफ तौर पर कहा है कि रामपुर सीट पर चुनाव निष्पक्ष नहीं हुआ है और वे उसकी शिकायत चुनाव आयोग से करने जा रहे हैं।

वास्तव में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा एवं दिल्ली नगर निगम के इन चुनावों के संदेश साफ हैं। भारतीय जनता पार्टी गुजरात मॉडल को देश और दुनिया में प्रचारित करके सारे भारत को उसके नीचे झुका देना चाहती है। वह नहीं चाहती कि बहुसंख्यकवाद, सवर्णवाद और पूंजीवाद के दायरे से बाहर किसी प्रकार का लोकतांत्रिक विकल्प खड़ा हो।

ऐसे में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की मजबूत उपस्थिति न सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के इस सबसे मजबूत किले में बड़ी चुनौती पैदा करती है बल्कि राष्ट्रीय विकल्प तैयार करने की संभावना पैदा करती है। इतिहास गवाह है कि समाजवादियों ने न सिर्फ चुनावी लोकतंत्र मजबूत करने के लिए काम किया बल्कि एक लोकतांत्रिक समाज के निर्माण के लिए भी काम किया। महात्मा गांधी, डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण के संघर्ष इसी दिशा में किए गए थे।

डॉ राममनोहर लोहिया की सप्तक्रांति और जेपी की सम्पूर्ण क्रांति देश में एक लोकतांत्रिक समाज बनाने के लिए किया गया संघर्ष था। डॉ भीमराव अंबेडकर ने साफ कहा था कि लोकतंत्र का अर्थ सिर्फ चुनाव से शासन करने वाले प्रतिनिधियों का चयन ही नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ एक जीवंत लोकतांत्रिक समाज का गठन है। वह गठन तभी होगा जब समता और स्वतंत्रता के साथ भाईचारा कायम होगा। डॉ भीमराव अंबेडकर एक जगह तो समता और

स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी भाईचारे को बताते हैं क्योंकि लोकतंत्र के बाकी मूल्य इसी पर टिके होते हैं।

समाजवादियों पर तमाम तरह से आरोप लगाए जाते रहे लेकिन यह आरोप कभी नहीं लगा कि उन्होंने कभी समाज को अलोकतांत्रिक बनाने का प्रयास किया या लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया। लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूती देने के लिए डॉ राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में समाजवादियों ने आजाद भारत में बार-बार लड़ाई लड़ी और नागरिक अधिकारों को बहाल करने का प्रयास किया। उसी परम्परा में जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया और जता दिया कि लोकतंत्र नहीं रहेगा तो भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की सारी विरासत ही समाप्त हो जाएगी।

आज जो लोग देशभक्त होने का दम भरते नहीं थक रहे हैं वे लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं और नागरिक अधिकारों का दमन कर रहे हैं। मीडिया, न्यायपालिका और नागरिक स्वतंत्रता के लिए उनके मन में कोई श्रद्धा, सम्मान है इसके प्रमाण नहीं मिलते बल्कि उल्टे यही लगता है कि वे धीरे-धीरे इसे समाप्त कर रहे हैं।

डॉ भीमराव अंबेडकर ने तो साफ तौर पर आगाह किया था कि किसी एक व्यक्ति की पूजा लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। उन्होंने यह बात गांधी के लिए तो कही थी और अपने जन्मदिन के मौके पर भी अपने अनुयायियों को इस प्रवृत्ति से आगाह किया था। डॉ राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण भी अपनी आलोचना की छूट पार्टी के लोगों को देते थे।

समाजवादियों की परम्परा देश में लोकतंत्र और समाजवाद कायम करने की रही है। उसी से उधार लेकर एक बार अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में भाजपा ने भी गांधीवादी समाजवाद को अपना लक्ष्य बनाया था। लेकिन वह लक्ष्य कब का पीछे छूट गया। आज के भाजपाई परोक्ष और प्रत्यक्ष रूप से गांधी को गाली देने में यकीन करते हैं और समाजवाद का नाम लेकर उसे बदनाम करते रहते हैं।

यह सही है कि समाजवादियों के पास न तो भाजपा जैसी कारपोरेट पूंजी है और न ही राज्य की दमनकारी शक्ति। लेकिन समाजवादियों के पास अपनी नैतिक पूंजी है, विचारों और संघर्षों की बड़ी विरासत है। वह उसके बूते पर अपने संसाधनों के साथ लोकतांत्रिक समाजवाद कायम करने की लड़ाई लड़ सकते हैं

उनका लक्ष्य आज हिंदूवादी पूंजीवाद होकर रह गया है। इसे इजराइली समाजशास्त्री सैमी समूह से प्रेरित होकर हिंदू लोकतंत्र कहा जा सकता है। भारत में जहां गुजरात बनाम शेष भारत का द्वंद्व चल रहा है वहां हिंदू लोकतंत्र बनाम समावेशी लोकतंत्र का द्वंद्व चल रहा है। समाजवादी पार्टी ऐसे माहौल में समाजवादी लोकतंत्र कायम करना चाहती है। इस बड़े लक्ष्य के कारण ही मैनपुरी में समाजवादियों ने डॉ राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव की विरासत को बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी।

समाजवादी जेल जाने में तो अपना चमकदार रिकार्ड रखते हैं। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में उन्होंने वोट और फावड़ा जैसे कार्यक्रम को एक अंजाम तक पहुंचाया था। आज जरूरत डॉ राममनोहर लोहिया के दिए सप्तक्रांति के सिद्धांत और जेल फावड़ा वोट जैसे कार्यक्रमों को याद करने की है। वोट के लिए जितनी एकजुटता की जरूरत है फावड़े के उससे ज्यादा एकता चाहिए। फावड़ा यानी रचनात्मक कार्यक्रम। वहीं रचनात्मक कार्यक्रम जो समाज को लोकतांत्रिक बनाए और फिर समाजवादी दिशा में ले जाए।

फिलहाल वोट और फावड़े के समीकरण को साधने और समाजवादियों को एकजुट रखने की जरूरत है। यह सही है कि समाजवादियों के पास न तो भाजपा जैसी कारपोरेट पूंजी है और न ही राज्य की दमनकारी शक्ति। लेकिन समाजवादियों के पास अपनी नैतिक पूंजी है, विचारों और संघर्षों की बड़ी विरासत है। वह उसके बूते पर अपने संसाधनों के साथ लोकतांत्रिक समाजवाद कायम करने की लड़ाई लड़ सकते हैं। समाजवादी पार्टी के प्रयासों को पूरे देश के समाजवादियों से सहयोग मिलना ही चाहिए।

(लेखक सपा के पूर्व विधायक हैं)

रामपुर उपचुनाव

प्रशासन जीता, लोकतंत्र हारा

बुलेटिन ब्यूरो

रामपुर विधानसभा सीट का उपचुनाव भले ही संपन्न हो चुका हो मगर सियासी दुनिया में अभी भी उस चुनाव की गूंज सुनाई दे रही है। रामपुर समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान का गढ़ माना जाता रहा है। उपचुनाव में अब तक के चुनाव के मुकाबले इस बार मतदान प्रतिशत कम होना और मतगणना के 20 राउंड तक बढ़त के बाद भी सपा का हार जाना किसी को पच नहीं रहा है।

जानकार मान रहे हैं कि जिस तरह एक खास समुदाय के मतदाताओं को धमकाया, चुनचुन कर पीटा गया उसकी वजह से लोग दहशत में वोट देने नहीं पहुंचे। करीब 45 बूथ ऐसे रहे जहां 100 से भी कम वोट पड़े जबकि ये वे इलाके हैं जहां हर चुनाव में वोटों की बारिश हुआ करती थी। हैरान करने वाली बात यह है कि समाजवादी पार्टी लगातार चुनाव आयोग से पुलिस प्रशासन की शिकायत करती रही मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। चुनाव में पुलिस ने कितना जुल्म किया इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक अधिवक्ता ने मय सबूत सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल कर रखी है।

उपचुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद से ही मतदाता समाजवादी पार्टी के पक्ष में मुखर थे। माहौल पूरी तरह समाजवादी पार्टी के पक्ष में था। भाजपा सरकार का पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान के साथ रवैया, 27 माह की जेल और बाद में भी उनके खिलाफ दर्ज मनमानी भरे मुकदमों की वजह से रामपुर की अवाम समाजवादी पार्टी के पक्ष में उसी तरह खड़ी-डटी हुई थी जैसा कि वह पहले भी रहा करती थी।

मतदान की तारीख जैसे ही करीब आई, ये खबरें तैरने लगी कि पुलिस ने वोटरों को धमकाना शुरू कर दिया है। तमाम वोटरों को

पीटने का भी आरोप लगने लगा। मोहम्मद आजम खान, रामपुर से सपा के प्रत्याशी और सपा के समर्थक चुनावी सभाओं में भी ये मुद्दा उठाने लगे। पुलिस पिटाई की कई तस्वीरें भी वायरल हुईं। पुलिसिया कार्यवाही की तमाम शिकायतें, तस्वीरें सामने आने के बाद समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया।

मतदान के बाद जो आंकड़े सामने आए उसके मुताबिक पुराना शहर के गेट वाले इलाके में सबसे कम मतदान हुआ। ये वह इलाका है जहां हर चुनाव में सर्वाधिक मतदान हुआ करता था। इस इलाके में कुल 44 बूथ हैं। इन बूथों पर पुलिस के खौफ से वोटरों ने मतदान केंद्र पर जाना ही बेहतर नहीं समझा। इन बूथों 100 से कम वोट पड़ना हैरान करने वाला रहा।

पुराने शहर के बूथ संख्या 92 पर महज 25 वोट का पड़ना पुलिस की ज्यादती की दास्तां बयां कर रहा है। वहीं, कुछ ऐसे भी बूथ रहे जहां पहले कम मतदान हुआ करता था मगर इस बार वहां भारी मतदान हुआ।

मतदान से पहले और बाद में पुलिस की पिटाई के कई वीडियो सामने आए। रामपुर के रहने वाले एक अधिवक्ता ने पुलिस जुल्म की कार्यवाही खुद अपने आंखों से देखी और बाद में सबूत के साथ सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की।

रामपुर में अब तक के इतिहास में सबसे कम 33.94 प्रतिशत का होना और मतगणना के वक्त 22 चक्रों की गिनती तक समाजवादी पार्टी की बढ़त के बाद अचानक भाजपा का जीत जाना किसी की समझ में नहीं आया। यहां सत्तासीन भाजपा का पहली बार खाता खुलना, आज भी चर्चा का सबब बना हुआ है।

रामपुर उपचुनाव में भाजपा की साजिशों और सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं को कई बार चुनाव आयोग के पास भेजा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने मुख्य चुनाव आयुक्त, नई दिल्ली को सम्बोधित ज्ञापन मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र को सौंपा।

समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग से मांग की कि मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में शत प्रतिशत मतदाता पर्ची बंटवाने, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हो रहे उत्पीड़न की कार्यवाही पर रोक लगाने, भाजपा द्वारा बनवाए जा रहे फर्जी आधार कार्ड के आधार पर मतदान के दिन फर्जी मतदान करने की साजिश को रोकने के लिए ठोस कार्यवाही करने व सैनिक, अर्द्धसैनिक बलों की निगरानी में चुनाव कराने की भी मांग की।

कोई एक्शन न होने और मतदान प्रतिशत काफी कम होने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त, नई दिल्ली को पत्र लिखकर रामपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में हुए उपचुनाव-2022 को निरस्त कर पुनः मतदान कराने की मांग की।

प्रो रामगोपाल यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार को लिखे पत्र में कहा कि रामपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में हुए मतदान में शासन द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली कराई गई है। वोटरों को मतदान से रोका गया। प्रो रामगोपाल यादव ने आयोग से अपील की कि रामपुर में इस बार मतदान का प्रतिशत पिछले चुनावों की तुलना में काफी कम है इसलिए रामपुर विधानसभा क्षेत्र में पुनः मतदान कराया जाना चाहिए।

गुजरात में सपा की दस्तक, जीती एक सीट

बुलेटिन ब्यूरो

गुजरात में भी समाजवादी पार्टी ने एक सीट जीतकर वहां की राजनीति में दखल के लिए कदम बढ़ा दिया है। पार्टी अब गुजरात में अपना राजनीतिक दायरा बढ़ाने में जुटेगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इस जीत पर कहा है कि गुजरात में समाजवादी मूल्यों की राजनीति का पौधारोपण हो गया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने पोरबंदर जिले की कुटियाना सीट से कांधलभाई सरमनभाई जडेजा को उम्मीदवार बनाया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की सकारात्मक राजनीति, विकास की दूरदृष्टि को वहां के मतदाताओं ने तरजीह दी और भाजपा के मुकाबले समाजवादी पार्टी को पसंद किया। कांधलभाई जडेजा को यहां 60,163 वोट मिले जबकि भाजपा उम्मीदवार ढेलिबेन मालदेभाई ओदेदारा को 33,532 वोट पर ही संतोष करना पड़ा।

फोटो स्रोत : गूगल

भाजपा राज में प्रहसन बने चुनाव

बुलेटिन ब्यूरो

चुनाव दर चुनाव धांधली की सर्वाधिक शिकायतें भाजपा राज में ही सामने आती हैं। पहले चुनाव की पवित्रता-शुचिता पर कभी इतने सवाल नहीं उठते थे मगर अब कोई भी चुनाव आता है तो उसका मजाक बनना मानो लाजिमी साथ हो गया है।

2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भी ऐसे ही सवाल उठे थे। अब हाल में हुए उपचुनावों में भी भाजपा ने जिस तरह सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया, वह किसी से छुपा नहीं है। समाजवादी पार्टी ने कमोबेश हर दिन चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया। शिकायतें कीं पर हैरानी वाली बात यह रही कि कोई खास समाधान नहीं निकल सका।

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव, खतौली व रामपुर विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने तमाम शिकायतें दर्ज कराईं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से लगायत भारत निर्वाचन आयोग तक ज्ञापन भेजे। उपचुनाव वाले जिलों में प्रशासन ने भी समाजवादी पार्टी की शिकायतों पर कोई गौर करना मुनासिब नहीं समझा।

चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी ने आयोग में जाकर कई बार ज्ञापन सौंपकर धांधली की शिकायतें दर्ज कराईं। समाजवादी पार्टी के

प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र को पत्र लिखकर मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव-2022 में मतदाता सूची से गलत ढंग से नाम काटे जाने को मतदान से समाजवादी समर्थकों को वंचित किए जाने की शिकायत की। पत्र में बताया गया कि समाजवादी पार्टी के निर्दोष कार्यकर्ताओं, समर्थकों को घर से गिरफ्तार करने, पुलिस थाने में बर्बरतापूर्वक पिटाई करने तथा मतदान से दूर रहने की चेतावनी भी दी जा रही है और यह सभी कार्यवाही चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र से भेंट कर उन्हें मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सत्तारूढ़ दल भाजपा के दबाव में जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी के 30 हजार से अधिक निर्दोष कार्यकर्ताओं, समर्थकों को सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर सीआरपीसी. की धारा-107/116 एवं धारा-10 जी के अन्तर्गत नोटिस भेजकर अकारण पाबंद किए जाने की शिकायत की।

चुनाव आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि मैनपुरी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के उपनिर्वाचन-2022 में जनपद मैनपुरी व जनपद इटावा में भाजपा के नेता खुलेआम बड़े पैमाने पर पैसा, शराब और साड़ियां बांटकर आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे हैं। चुनाव प्रभावित हो रहा है और जिला व पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना है।

श्री राजेन्द्र चौधरी ने मुख्य चुनाव आयुक्त, नई दिल्ली को संबोधित ज्ञापन मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र को देकर मांग की कि रामपुर विधान सभा उप निर्वाचन में पुलिस अधीक्षक अशोक शुक्ला, सीओ सिटी अनुज पहलवान, कोतवाली प्रभारी गजेन्द्र त्यागी व पुलिस थानाध्यक्ष सुरेन्द्र पचौरी को तत्काल प्रभाव से जनपद रामपुर से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाए व भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के विपरीत व मानक के विरुद्ध अत्यधिक अर्धसैनिक व पुलिस बल को जनपद रामपुर से बाहर किया जाए। लेकिन इस मांग पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलेंगे समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 120वीं जयंती पर 23 दिसंबर को समाजवादियों ने उन्हें शिद्दत से याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूरे प्रदेश में गोष्ठियां, विमर्श के कार्यक्रम हुए और चौधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम इटावा के चौधरी चरण सिंह डिग्री कॉलेज हैवरा में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपस्थित रहे। उनके साथ समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जसवंतनगर के विधायक श्री शिवपाल सिंह यादव के अलावा मैनपुरी की नवनिर्वाचित सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी और नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने किसानों के लिए बहुत बड़े-बड़े फैसले लिए। दोनों नेताओं ने हम लोगों को जो रास्ता दिखाया है, उसी रास्ते पर आगे चलना है। चौधरी चरण सिंह जी और नेता जी के दिखाए रास्ते पर चलकर ही गरीबों और किसानों का भला होगा।

श्री अखिलेश यादव ने चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा का अत्याचार बढ़ता जा रहा है लेकिन यह अन्याय बहुत दिनों नहीं चलेगा।

हम अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलने हर जेल तक जाएंगे। बहुत जल्दी ही पार्टी भाजपा सरकार के अन्याय और अत्याचार के खिलाफ जेल भरो आंदोलन शुरू करेगी। जल्दी ही हम नेताओं के साथ बैठेंगे और जेल भरो आंदोलन का कार्यक्रम तय करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोधी तीन काले कृषि कानून लेकर आयी थी लेकिन उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखण्ड के चुनाव और किसानों की ताकत के सामने झुकने पर मजबूर हुई और तीनों काले कृषि कानून वापस लिए गए। आज सत्ताधारी लोग किसान विरोधी फैसले ले रहे हैं। सरकार ऐसी नीतियां बना रही है जिससे किसानों की जमीन जब्त होने की नौबत आ जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के बहुत बड़े नेता थे। वे कहा करते थे कि किसानों को एक नज़र हल पर और दूसरी नज़र संसद पर रखनी चाहिए। किसानों को जानना चाहिए कि संसद क्या फैसला लेती है। श्री यादव ने कहा कि नेताजी ने विधानसभा के सामने सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर श्री चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा लगाकर उन्हें सम्मान देने का काम किया था।

श्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत के लिए जसवंतनगर समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों के नेताओं कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मैनपुरी की जीत बहुत बड़ी है। मैनपुरी मॉडल ने गुजरात मॉडल को फेल कर दिया है। गुजरात मॉडल वाले लोग अब मैनपुरी मॉडल पढ़ रहे हैं। वे दावा कर रहे थे कि

आजमगढ़ हरा दिया, रामपुर हरा दिया उसी तरह से मैनपुरी भी हरा देंगे लेकिन कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जमीन पर मेहनत करके बहुत बड़ी जीत हासिल की है।

अपने संबोधन में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव ने श्री चौधरी चरण सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मैनपुरी की जीत के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव जीता गया है, उसी तरह से तैयारी करके 2024 का आम लोकसभा चुनाव जीतेंगे और चौधरी साहब के जन्मदिन पर संकल्प लेते हैं कि भाजपा सरकार को हटाएंगे।

इस आयोजन में आदित्य यादव, प्रदीप यादव, मुकुल यादव समेत अन्य नेताओं भी ने पुष्पांजलि अर्पित कर चौधरी साहब को नमन किया।

उधर, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की 120वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। प्रदेश मुख्यालय में राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के अलावा पूर्व मंत्री एस.पी. सिंह, पूर्व एमएलसी अरविन्द कुमार सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो सुधीर पंवार एवं प्रो विनोद सिंह ने चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

पीड़ित परिवार से मिले सपा अध्यक्ष

बलवंत सिंह कांड की जांच कराने की मांग

बुलेटिन ब्यूरो

कानपुर देहात पुलिस की हिरासत में मारे गए बलवंत सिंह के परिवार से मुलाकात कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उनकी पीड़ा सुनी और पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए परिवार को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस ने जुल्म की इंतेहा

'विधायक सोलंकी को झूठे मामले में फंसाया गया'

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा के विधायक इरफान सोलंकी को झूठे मामलों में फंसाया गया है। पार्टी पूरी तरह विधायक के साथ है और उन्हें कानूनी लड़ाई में मदद करेगी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कानपुर जेल पहुंचकर विधायक इरफान सोलंकी से मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के नेताओं और विधायकों को साजिश और षड़यंत्र के तहत फंसाना चाहती है। जब सपा विधायकों को झूठे मामलों में जेल भेजा जा रहा है तो प्रदेश में किसी को न्याय मिल नहीं सकता है। श्री यादव ने कहा कि कुछ अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। लेकिन वे याद रखे कि समय बदलता है। जो गलत काम कर रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई होगी।

कर दी। पुलिस को इतनी ज्यादा छूट भाजपा ने दे रखी है क्योंकि भाजपा यूपी में पुलिस राज चाहती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस जनता की मदद के लिए होती है मगर भाजपा सरकार ने पुलिस के कुछ लोगों को इतनी आजादी दे रखी है कि वे लोगों की पीट पीट कर हत्या कर रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस हिरासत में सर्वाधिक मौतें यूपी में हुई हैं।

श्री यादव ने बताया कि बलवंत सिंह के परिवार ने उन्हें बताया कि पुलिस उनके सामने ही बलवंत को पीट रही थी। इतना पीटा कि कल्पना नहीं की जा सकती है। मौत के लिए पुलिस जिम्मेदार है। इसमें साजिश और षड़यंत्र है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बलवंत सिंह का परिवार बहुत दुःखी है। परिवार ने जो देखा है, ऐसी घटना किसी के साथ न हो। उन्होंने कहा कि बलवंत सिंह को पुलिस ने ही मार दिया। पुलिस की वजह से जान गई। उसे तीन घंटे तक मारा गया।

सपा अध्यक्ष ने मांग की है कि सीबीआई या हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए ताकि परिवार को न्याय मिले। उन्होंने बलवंत सिंह की पत्नी को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रूपये की मदद दिए जाने की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, पुलिस हिरासत में लगातार मौतें हो रही हैं। इसी तरह की एक घटना गोण्डा में भी हो चुकी है जहां पुलिस की पिटाई से युवक की मौत हो गई थी। जब वहां लोगों ने विरोध किया तो पुलिस शव लेकर भाग गई।

व्यापारी विरोधी भाजपा सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

हाल के दिनों में व्यापारियों के यहां जीएसटी की ताबड़तोड़ छापेमारी ने उत्तर प्रदेश में भाजपा राज का व्यापारी विरोधी चेहरा बेनकाब कर दिया। यूपी के जिलों में लगातार जीएसटी की छापेमारी से व्यापारी इतना खौफजदा रहे कि कई दिनों तक दहशत में बाजारों में बंदी रही। दुकानों का शटर गिराकर व्यापारी इधर-उधर भागे-भागे फिरते रहे।

व्यापारियों के यहां छापेमारी का समाजवादी पार्टी ने मुखर होकर विरोध किया तब जाकर सरकार ने इसपर रोक लगाई मगर कुछेक दिनों बाद फिर जिलों के व्यापारियों को लक्ष्य बनाकर जीएसटी की छापेमारी की जाने लगी।

दिसंबर माह की शुरुआत से ही जीएसटी के नाम पर यह छापेमारी शुरू हो गई थी। बड़े व्यापारियों के अलावा ठेले-खोमचे वालों को भी निशाना बनाकर उनके यहां जीएसटी के नाम पर छापा और जुर्माना की कार्यवाही ऐसी शुरू हुई कि दहशत फैल गई। बाद में यह छापेमारी यूपी के करीब 71 जिलों तक पहुंच गई और सूबे में व्यापारियों के बीच दहशत का ऐसा माहौल बना कि बाजारों की रौनक छिन गई। बाजार बंद रहने लगे। छापेमारी को लेकर व्यापारियों की तकलीफों, बाजार बंद होने के बाद भी सरकार के कान पर जूँ नहीं रेंगी। तमाम जिलों में व्यापारी संगठनों ने विरोध करना शुरू किया मगर सरकार पर कोई असर नहीं पड़ा। भाजपा व सरकार के मंत्री इस

वसूली व भ्रष्टाचार का नया तरीका है छापेमारी

बुलेटिन ब्यूरो

यूपी में व्यापारियों के यहां जीएसटी की छापेमारी के खिलाफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

उन्होंने छापेमारी को वसूली व भ्रष्टाचार का नया तरीका बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार एक ओर तो प्रदेश की तरक्की के लुभावने सपने दिखाती है, वहीं दूसरी ओर देश की अर्थव्यवस्था में मुख्य भागीदारी निभाने वाले व्यापारी वर्ग का उत्पीड़न करने में पीछे नहीं है।

उन्होंने कहा कि उद्यमियों, व्यापारियों को जीएसटी के छापों से भयाक्रांत किया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने के दावों का इससे बढ़कर और क्या मजाक हो सकता है।

व्यापारी समाज के साथ खड़े होते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार जीएसटी जांच के नाम पर व्यापारियों को परेशान करने में लगी है। व्यापारी विरोध में बाजार बंद कर रहे हैं। जनसामान्य परेशान है। व्यापार ठप है।

उन्होंने चिंता जताई है कि भाजपा सरकार का व्यापार जगत के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण उत्तर प्रदेश में घटते व्यापार को और ज्यादा घटाएगा। जीएसटी छापामारी वसूली और भ्रष्टाचार का एक नया तरीका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से नौजवान, व्यापारी, किसान, कर्मचारी, मजदूर सभी को धोखा मिला है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार व्यापारी हितैषी नहीं, व्यापारी विरोधी सरकार है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिस तरह किसानों, नौजवानों को धोखा दिया है वैसे ही वह व्यापारियों के साथ भी छल कर रही है। नोटबंदी के बाद, जीएसटी से हर क्षेत्र में असंतोष है। अभी तक जीएसटी की अंतिम निर्णायक दरें तक तय नहीं हो सकी हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी व्यापारियों की हितैषी है और उनकी न्यायसंगत मांगों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी।

छापेमारी को जायज ठहराने में भी नहीं चूके। व्यापारी समाज की तकलीफ व जीएसटी की ज्यादती के खिलाफ जब समाजवादी पार्टी ने स्वर मुखर किए, तब सरकार का रवैया ढ़ीला पड़ा। उसने 72 घंटे तक छापेमारी को रोकने का आदेश दिया। 72 घंटे की मियाद खत्म होने के बाद वाणिज्य कर विभाग ने छापेमारी का तरीका बदल दिया और सामूहिक छापेमारी के बजाय टार्गेट कर इसे जारी रखा। अभी भी चुनचुन कर छापे मारे जा रहे हैं।

जीएसटी की छापेमारी के खिलाफ समाजवादी व्यापार सभा ने पूरे सूबे में आंदोलन करने और व्यापारियों के साथ मिलकर संघर्ष करने का ऐलान कर रखा है। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय गर्ग ने जीएसटी और अन्य विभागों के नाम पर दुकानदारों व व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर की जा रही छापेमारी के खिलाफ समाजवादी पार्टी व्यापार सभा द्वारा आंदोलन और संघर्ष करने की घोषणा की है। समाजवादी पार्टी ने व्यापारियों के बीच जाकर बैठकें की और छापेमारी का विरोध कर भाजपा सरकार को व्यापारी विरोधी बताते हुए व्यापारियों का साथ देने की पहल की तो व्यापारी संगठनों को बल मिला।

समाजवादी पार्टी शुरू से ही भाजपा को व्यापारी समाज का विरोधी बताती रही है। अब व्यापारी समाज भी सपा सरकारों में उसके हित में लिए गए याद कर रहा है। चुंगी की समाप्ति के अलावा व्यापारी समाज के हित में उठाए गए कदम की सराहना हो रही है।

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गए बाबा साहब

बुलेटिन ब्यूरो

बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर के अक्षर पर समाजवादियों ने उन्हें शिद्दत के साथ याद करते हुए गोष्ठियां कीं और शोषितों-वंचितों के अधिकारों के लिए उनके प्रयासों पर विमर्श करते हुए कृतज्ञता प्रकट की। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक रूप से उपेक्षित वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा था इसीलिए संविधान में शाब्दिक या कृत्य से उनको आहत करने पर दंड का विधान रखा था। सामाजिक नफरत और भेदभाव के खिलाफ भी उन्होंने चेतावनी दी थी और कहा था कि लोकतंत्र की सुरक्षा सभी के अधिकारों के सम्मान से ही हो सकती है।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विधायक रफीक अंसारी, पूर्व विधायक अरविन्द कुमार सिंह के अलावा अभिषेक दीक्षित एडवोकेट, के.के. श्रीवास्तव, पासी जयवीर सिंह, राधेश्याम सिंह व कपिल देव शामिल रहे। पूरे प्रदेश के जिला व महानगर समाजवादी पार्टी के कार्यालयों पर भी बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस पर कई कार्यक्रम हुए और गोष्ठियों में समाजवादियों ने बाबा साहब के कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समेत यूपी के सभी जिलों में परिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम हुए बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक भेदभाव के विरूद्ध अभियान चलाया। किसानों, श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों का भरपूर समर्थन करते हुए संविधान में भी उनके लिए उचित व्यवस्थाएं की।

सपा प्रमुख ने इस अवसर पर बाबा साहब की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माता एवं महान समाज सुधारक के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे। उनके प्रयत्नों से ही समाज के एक बड़े वंचित वर्ग को आरक्षण तथा अन्य सुविधाएं मिलीं।

विजय बहादुर पाल को श्रद्धासुमन अर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

तिर्वा कन्नौज के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री विजय बहादुर पाल के निधन पर गहरा शोक जताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ने एक जमीनी नेता खो दिया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनो के प्रति संवेदना व्यक्त की।

विजय बहादुर पाल यूपी सरकार में शिक्षा मंत्री रहे और अपने बेबाक बयानों की वजह से अलग पहचान रखते थे। गंभीर बीमारी की वजह से 6 दिसंबर की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

पूर्व मंत्री के निधन की खबर पाकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 6 दिसंबर को क्रांतिकारी शिक्षा सदन इन्टर कॉलेज प्रांगण, इन्दरगढ़ कन्नौज पहुंचकर दिवंगत पूर्व मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपना एक जमीनी नेता खो दिया है। उन्होंने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में समाजवादी परिवार उनके साथ है।

विजेंद्र पाल सिंह यादव के निधन पर शोक जताया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की विधायक श्रीमती पिंकी यादव के पिताजी पूर्व सांसद विजेंद्र पाल सिंह यादव के निधन पर गहरा शोक जताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उनका निधन बीते 25 नवंबर को हुआ। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संभल लोकसभा के सांसद और बहजोई विधानसभा से तीन बार विधायक रहे श्री विजेंद्र पाल सिंह यादव के निधन से समाजवादी पार्टी और परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मैनपुरी

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मैनपुरी के हर एक मतदाता को मेरा व्यक्तिगत धन्यवाद जिन्होंने मुझ में अपना विश्वास व्यक्त किया और सपा के हर एक कार्यकर्ता, बूथ और सेक्टर प्रभारी एवं नेतागणों का भी हार्दिक आभार जिन्होंने सपा की जीत में अपना-अपना योगदान दिया।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये जीत मैनपुरी के मतदाताओं की नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि है.

इस जीत ने नकारात्मक राजनीति को पराजित किया है.

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 07 Dec

जब जर्मनी ने EVM से चुनाव को असंवैधानिक मानते हुए 2009 में ही समाप्त कर दिया है तो उनकी विदेश मंत्री को EVM दिखाकर सरकार क्या साबित करना चाहती है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा के राज में महँगाई, बेरोज़गारी और नाइंसाफ़ी अपने चरम पर है।

भाजपा झूठे मुक़दमे बनाकर लोगों को फँसा रही है इसीलिए न्याय बाधित हो रहा है क्योंकि सच्चे आरोपों में समय नहीं लगता पर झूठे आरोपों के लिए भाजपाइयों को सौ प्रबंध करने पड़ते हैं, जिनसे न्याय प्रक्रिया में देरी होती है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सारे जहां को मालूम है उनके हुक्म की मंशा नौकर मजबूर हैं क्योंकि मिलती है तनख़्वाह

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये है उप्र में महिला सुरक्षा के दावों का सच।

Translate Tweet

गोरखपुर में घर में अकेली महिला को दिनदहाड़े बंधक बना कर लूटपाट

दुस्साहस

- राजघाट क्षेत्र के सोना मंडी बसंतपुर की घटना
- शाम को बेटी के घर पहुंचने पर हुई जानकारी

घटना के बाद पीड़ित महिला।

संबंधित खबर P06

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सामाजिक न्याय के लिए जातिवार जनगणना होनी ही चाहिए। ये सिर्फ़ हमारी ही नहीं सच्चे सामाजिक लोकतंत्र की भी माँग है।

Translate Tweet

जनगणना में जाति विवरण के लिए बिहार महाराष्ट्र और ओडिशा ने किया अनुरोध

नई दिल्ली। तीन राज्यों- बिहार, महाराष्ट्र और ओडिशा व कुछ संगठनों ने आगामी जनगणना में जाति आधारित विवरण एकत्र करने का अनुरोध किया है। ए गणेशमूर्ति के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह जानकारी दी। राय ने कहा, आजादी के बाद से जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा जातिवार जनसंख्या की गणना नहीं हुई है। राय ने यह भी बताया कि कोविड महामारी के कारण जनगणना 2021 और संबंधित गतिविधियों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। एजेंसी

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आधुनिक भारत के शिल्पकार, महान स्वतंत्रता सेनानी 'भारत रत्न' से सम्मानित 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि!

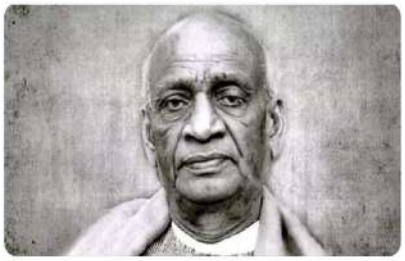

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

दिल हमारा तो भई मोहब्बत से गुलज़ार है...
हमको तो हर रंग में दिखता प्यार-ही-प्यार है

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

स्वच्छता के प्रणेता एवं मानवता के महान उपासक संत गाडगे महाराज जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र में निवेश लाने के नाम पर मंत्रियों को जनता के पैसों पर विदेश घुमाया जा रहा है और छद्म करार करके झूठा प्रचार किया जा रहा है। भाजपा सरकार ये बताये कि पिछली बार निवेश के जो करार हुए थे उनका लेखाजोखा कब देगी या वो भी 'पंद्रह लाखी जुमला' के समान खोखले थे।

Translate Tweet

यह है इन्वेस्टर मीट का सच

जो विश्वविद्यालय चलता है एक छत के नीचे उससे यूपी के अफसरों ने कर लिया पैंतीस हजार करोड़ का एमओयू

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सिक्किम में सेना का ट्रक खाई में गिरने से 16 जवानों के शहीद होने की घटना अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना एवं सभी घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना।

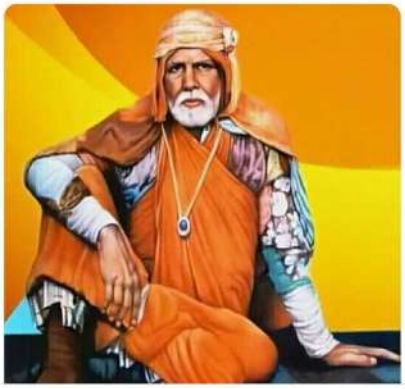

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 44 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty

www.samajwadiparty.in

जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करतीं

डॉ राम मनोहर लोहिया